विश्व हिन्दी न्यास

World Hindi Foundation, Inc.

न्यास समाचार वर्ष 8 अंक 1, फ़रवरी-मार्च सन् 2,007 संपादक - राम चौधरी

न्यास के नए दाता सदस्य

डा. घासी राम एवं श्रीमती रुक्मिणी वर्मा (पीसडेल, रोड आइलैन्ड) $1,000

विशेष अनुदान

डा. रवि एवं डा. नीरा सेठ $1,000

न्यास के दाता सदस्य

राम एवं राज चौधरी	हिन्दी रत्न	$20,300
लक्ष्मी प्रकाश शर्मा	हिन्दी संरक्षक	$10,000
[illegible] एवं कमल कोठारी	हिन्दी हितकारी	$5,000
रवि एवं नीरा सेठ	हिन्दी मित्र	$4,650
गोविंद एवं आशा चतुर्वेदी	हिन्दी मित्र	$3,951
कैलाश एवं सावित्री शर्मा	हिन्दी मित्र	$3,760
रवि एव शशि शर्मा	हिन्दी मित्र	$2,500
किशन एवं माला थनिक	हिन्दी मित्र	$2,500
अचला एवं जैक सोब्रिन	हिन्दी मित्र	$2,500
शशि अगरवाल	हिन्दी शुभचिंतक	$2,000
सुनील एवं सीमा खुराना	हिन्दी शुभचिंतक	$1,650
जीतेन्द्र एवं कृष्णा शर्मा	हिन्दी शुभचिंतक	$1,500
बृज एवं सुमन मिश्र	हिन्दी शुभचिंतक	$1,300
श्याम एवं निर्मला शुक्ल	हिन्दी शुभचिंतक	$1,200
वेद एवं रजनी चौधरी	हिन्दी शुभचिंतक	$1,250
प्रदीप एवं रश्मि अग्रवाल	हिन्दी शुभचिंतक	$1,100
रवि एवं श्रुति सिंह	हिन्दी शुभचिंतक	$1,000
राजीव मलहोत्रा	हिन्दी शुभचिंतक	$1,000
पद्मिनी एवं चंदर प्रसाद	हिन्दी शुभचिंतक	$1,100
आभा एवं सुधीर भार्गव	हिन्दी शुभचिंतक	$1,000
मुरली एवं प्रिया अगरवाल	हिन्दी शुभचिंतक	$1,000
शिवेन्द्र एवं ऋचा पांडे	हिन्दी शुभचिंतक	$1,000
घासी राम, रुक्मिणी वर्मा	हिन्दी शुभचिंतक	$1,000

आठवां विश्व हिन्दी सम्मेलन - जुलाई 13-15, 2007

जैसा न्यास समाचार के पिछले अंक में बताया गया था, भारत सरकार द्वारा आयोजित आठवां विश्व हिन्दी सम्मेलन जुलाई 13-15, 2007 को न्यू यार्क में होगा। विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है, कि 20 अप्रैल, 2007 के लगभग भारत सरकार, एक वैबसाइट पर सम्मेलन का विवरण प्रकाशित करेगी। विश्व हिन्दी न्यास के सदस्यों से निवेदन है कि कृपया वे अपना ईमेल पता भेजें, ताकि, आप तक संबंधित सूचनायें पहुंचायी जा सकें।

पूना विश्वविद्यालय में हिन्दी का गहन अध्ययन

अमेरिका के हिन्दी न जानने वाले विद्यार्थियों को हिन्दी सिखाने का, छह सप्ताह का, 25 जून से लेकर 11 अगस्त, 2007 तक, 6 सेमेस्टर-आवर के क्रेडिट का कोर्स प्रस्तुत किया जा रहा है। कोर्स की शुल्क $5,585 (अमेरिकन डालर) है। *इसमें विद्यार्थी का पूरा व्यय,* शिक्षण शुल्क, हवाई किराया, पूना विश्वविद्यालय में रहने-खाने का व्यय, अजन्ता इलौरा, ताजमहल आदि विख्यात स्थानों के पर्यटन का व्यय, सभी शामिल है। इस कार्यक्रम की निदेशक हैं, वाशिंगटन की विख्यात कार्यकर्त्ता, श्रीमती मधु माहेश्वरी। अधिक जानकारी के लिए कृपया सम्पर्क करें -

http://globaled.gmu.edu or lefadal@gmu.edu

Phone: (703) 993-2161

न्यू जर्सी के स्कूलों में चीनी भाषा की प्रगति

प्रस्तुति: डा. वेद चौधरी, निदेशक, विश्व हिन्दी न्यास, एवं असिस्टेन्ट कमिश्नर, न्यू जर्सी डिपार्टमेन्ट ऑफ़ एनवायरन्मेन्टल प्रोटेक्शन

,21 मार्च, सन् 2007 को मुझे *अमेरिकन स्कूलों में चीनी भाषा की कक्षाओं को प्रारम्भ करने के लिए* एक सूचना सत्र (information session) में उपस्थित होने का अवसर प्राप्त हुआ था। इस आयोजन में भाग लेने वाले व्यक्ति थे, न्यू जर्सी राज्य शिक्षा विभाग के अन्तर्राष्ट्रीय भाषाओं के शिक्षक, स्कूलों के प्रिन्सिपल तथा पाठ्यक्रम निरीक्षक। बैठक, मुनरो टाउनशिप में, न्यू जर्सी की प्रिन्सिपल तथा निरीक्षक असोसिएशन के मुख्यालय में हुई थी। आमंत्रण पत्र में कहा गया था: *सत्र का*

लक्ष्य है, न्यू जर्सी राज्य के स्कूलों में चीनी भाषा के अध्यापन का विस्तार करना ताकि हम ऐसे अमरीकी विद्यार्थियों को तैयार कर सकें जो सांस्कृतिक, राजनैतिक तथा आर्थिक दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय समाज में कुशलतापूर्वक काम कर सकें।

सत्र में आशातीत व्यक्तियों ने भाग लिया। सत्र-कक्ष में 100 व्यक्तियों के बैठने की धारिता (capacity) थी, परन्तु आये व्यक्तियों की संख्या इससे अधिक थी, अतः लोगों को हाल में पीछे खड़े रहना पड़ा। इस आयोजन के लिए चीनी कौन्सलाधीश के अलावा पांच और चीनी समितियों ने, जिनमें *हानबान* (Office of Chinese Language International) भी शामिल है, अनुदान दिया था। सत्र में बताया गया कि न्यू जर्सी राज्य के स्कूल जनपद (School Districts) किस प्रकार चीनी भाषा का शिक्षण प्रारम्भ कर सकते हैं। कुछ वक्ताओं ने चीनी भाषा के शिक्षण के लिए उपलब्ध संसाधनों के बारे में बताया। सत्र-कक्ष के बाहर, बड़ी मात्रा में, शिक्षण के सभी स्तरों पर आवश्यक संसाधनों को प्रदर्शित किया गया था। वहां उन्हें ख़रीदा भी जा सकता था। दर्शकों को बताया गया कि वे किन संस्थानों से आर्थिक अनुदान प्राप्त कर सकते हैं।

रटगर्स विश्वविद्यालय के विश्व भाषा संस्थान की निदेशक, डा. मैरियन यूडो ने बताया कि अमरीकी स्कूलों में चीनी भाषा की कक्षाओं की मांग के साथ ही चीनी भाषा के प्रमाणित शिक्षकों की मांग भी बढ़ रही है। इस कमी को पूरा करने के लिए संस्थान ने, चीनी भाषा के शिक्षकों को, कम समय में, सर्टीफ़िकेट दिलाने की एक योजना लागू की है। न्यू जर्सी राज्य के कॉलेज बोर्ड की, चीनी भाषा एवं संस्कृति उपक्रमण की निदेशक (Director of Chinese Language & Culture initiative) सलीना कैन्टोर ने, चीनी भाषा शिक्षण के लिए सम्पूर्ण अमेरिका में उपलब्ध संसाधनों के बारे में बताया।

कृपया ध्यान दीजिए, अभी तक, किसी कॉलेज बोर्ड अथवा किसी शिक्षा विभाग ने हिन्दी अथवा अन्य किसी भारतीय भाषा के शिक्षण को प्रोत्साहित नहीं किया है। मेरी राय है कि केवल ईमेल भेजना, तथा हस्ताक्षर अभियान चलाने से काम नहीं चलेगा। जब तक भारतीय समुदाय - भारत सरकार, पूंजीपति, तथा परोपकारी न्यास, हिन्दी शिक्षण के विस्तार के लिए समुचित अनुदान नहीं देते, न्यू जर्सी अथवा अन्य किसी राज्य का कोई कॉलेज बोर्ड भारतीय भाषाओं के पाठन के प्रति कोई उपक्रमण प्रारम्भ नहीं करेगा। *मैं इस विषय पर, न्यू जर्सी शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मिलूंगा। हमारा मिलना तभी सार्थक होगा जब हमारे पीछे समुचित आर्थिक समर्थन हो। हमें चीनी लोगों से बहुत कुछ सीखना है - वे किस प्रकार एकजुट होकर अपनी भाषा तथा संस्कृति का संवर्धन करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। हम सभी जानते हैं, कि भारतीय समुदाय अमेरिका का सब से समृद्ध समुदाय है। कृपया सोचिए, क्या अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए अनुदान देना उचित नहीं है?*

येल विश्वविद्यालय में हिन्दी, प्रस्तुति : सीमा खुराना
वरिष्ठ लेक्टोर, येल विश्वविद्यालय

हिन्दी साहित्यकारों एवं हिन्दी प्रेमियों को यह जानकर प्रसन्नता होगी कि येल विश्वविद्यालय में, 30-31 मार्च, 2007 को दो दिवसीय, दूसरी, साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह गोष्ठी सीमा खुराना द्वारा आयोजित की गई। गोष्ठी का शीर्षक था, *अनुवादित जीवन एवं अनुवादित विश्व:* विद्वानों तथा कलाकारों के बीच वाचन, कार्यशालायें एवं विचार-विमर्श। इस गोष्ठी में भाग लेने वाले साहित्यकार थे - उमेश अग्निहोत्री, सुषम बेदी, गैब्रिएला इलेवा, अनिल प्रभा कुमार, ताहिरा नक़वी, एवं विशाखा ठक्कर। पहला कार्यक्रम शुक्रवार मार्च 30 को सायं 5:30-8:00 को लूस हाल में सम्पन्न किया गया। इसका शीर्षक था, अनुवाद कार्य की चुनौती। इसमें भाग लेने वाले साहित्यकार थे, सुषम बेदी (कोलम्बिया विश्वविद्यालय), गैब्रिएला इलेवा (न्यू यार्क विश्वविद्यालय), ताहिरा नक़वी (न्यू यार्क विश्वविद्यालय), गीतांजलि सिंह चन्दा (येल विश्वविद्यालय)।

शनिवार 31 मार्च, 2007 (10:30 PM-12:00 PM) येल विश्वविद्यालय के हिन्दी विद्यार्थियों के लिए एक लेखन कार्य शाला का आयोजन किया गया। कार्य शाला (12:00 PM - 3:30 PM) के उपरान्त अहिंसा रेस्टरां में लेखकों ने अपनी रचनाओं का पाठन किया। इसमें भाग लेने वाले विद्वान थे, उमेश अग्निहोत्री (लेखक), सुषम बेदी (कोलम्बिया विश्वविद्यालय), अनिल प्रभा कुमार (विलियम पेटरसन विश्वविद्यालय), विशाखा ठक्कर (लेखक), सीमा खुराना (येल विश्वविद्यालय)।

रचना पाठ के पश्चात उमेश एवं पुष्पा अग्निहोत्री द्वारा एक लघु नाटिका का मंचन किया गया। उमेश जी विख्यात कहानीकार, नाटककार, एवं कलाकार तथा पुष्पा जी साहित्यकार तथा महान कलाकार हैं।

शाखा समाचार प्रस्तुतिः देवेन्द्र शुक्ला,

शाखा निदेशक, सैनफ़ान्सिस्को, कैलिफ़ोर्निया

शनिवार 10 फ़रवरी, 2007 को श्री देवेन्द्र शुक्ला के निवास स्थान, फ्रीमोन्ट में एक गोष्ठी का आयोजन हुआ। सायं सात बजे से प्रारम्भ होकर रात के साढ़े दस बजे तक गोष्ठी चली। उसमें लगभग 50 व्यक्ति उपस्थित थे। गोष्ठी का प्रारम्भ श्रीमती नीलू गुप्ता द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। नए सदस्यों के परिचय के पश्चात कवियों ने स्वरचित कविताओं का पाठ किया, इसके बाद कहानी तथा निबंध पढ़े गये। साहित्यिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले व्यक्तियों के नाम हैं - राजश्री शर्मा, नीलू गुप्ता, हेमप्रभा ओसवाल, श्याम शुक्ला, निर्मला शुक्ला, आदित्य शुक्ला, रुम्मी गुजराल, जगदीश श्रीवास्तव, ऊषा श्रीवास्तव, ब्रह्मानन्द पांडे एवं देवेन्द्र शुक्ला।

इस अवसर पर, विश्व हिन्दी न्यास के सदस्यों ने श्री देवेन्द्र शुक्ला को, छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा प्रवासी सम्मान दिये जाने के लिये हार्दिक बधाई दी। एक भव्य आयोजन में, यह सम्मान उन्हें भारत के राष्ट्रपति, महामहिम अब्दुल कलाम द्वारा प्रदान किया गया तथा दो लाख रुपयों के साथ एक शाल तथा सम्मान फलक से अलंकृत किया गया। श्री देवेन्द्र शुक्ला, पिछले 6 वर्षों से छत्तीसगढ़ के गांव के एक हाई स्कूल में, कक्षा 6 से लेकर कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वे हिन्दी तथा छत्तीसगढ़ी के एक उदीयमान कवि हैं, अभी तक उनके दो काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं, उनके नाम हैं, हिन्दी में, *प्रवासी*, छत्तीसगढ़ी में, *दुरिहा छुट गये गांव*। *श्री देवेन्द्र शुक्ला को हार्दिक अभिनन्दन एवं बधाई। वे हमारे सम्मान के पात्र हैं।*

शाखा समाचार प्रस्तुतिः श्रीमती शर्मिष्ठा दत्त,

शाखा निदेशक, हडसन वैली, न्यू यार्क शाखा

इस समय हडसन वैली हिन्दी स्कूल में 24 विद्यार्थी, तथा 6 हिन्दी शिक्षक हैं। उच्च कक्षा के तीन विद्यार्थियों को अंचला सोब्रिन, अलग से पढ़ा रही हैं। अंचला जी का प्रयत्न है कि इन विद्यार्थियों को हडसन वैली स्कूल जनपद द्वारा अन्य जर्मन, फ्रेन्च आदि विदेशी भाषाओं के समकक्ष मान्यता (क्रेडिट) प्राप्त हो। इस विषय पर उनका हडसन वैली स्कूल जनपद से सम्पर्क है।

हिन्दी स्कूल के विद्यार्थी सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। वसन्त पंचमी के अवसर पर उन्होंने सरस्वती वंदना की, उपहार में उन्हें स्वादिष्ट बेसन के लड्डू दिये गये। उन्होंने धूम-धाम से होली का त्योहार मनाया, उसमें *होली खेलें रघुवीरा अवध में,* गीत का गायन किया।

हडसन वैली की एक और परंपरा है, साहित्यिक गोष्ठियों का आयोजन। डा. सुषम बेदी के सभापतित्व में अगली गोष्ठी का आयोजन 19 मई, 2007 को किया जायगा। न्यास का सातवां वार्षिक अधिवेशन पुकिप्सी में किया जायगा। विचाराधीन तिथियां हैं, 28-30 सितम्बर, 2007, अथवा 5-7 अक्टूबर, 2007। न्यास समाचार के अगले अंक में इसकी विस्तृत जानकारी दी जायगी।

संस्कृत, हिन्दी तथा संस्कृति

23 फ़रवरी, 2007 के इन्डिया अब्रोड में, उसके एक प्रबन्ध सम्पादक आर्थर जे पाई ने संस्कृत के जीर्णोद्धार तथा संरक्षण की वकालत की थी। 6 अप्रैल, 2007 के इन्डिया अब्रोड में, मिशीगन के एक मनोवैज्ञानिक चिकित्सक डा. सुरेन्द्र केलवाला ने, पाई का समर्थन करते हुए भारतवंशियों को संस्कृत के संरक्षण तथा संवर्धन लिए अनुदान देने की अपील की है। उन्होंने लिखाः *हमें इस बात का आभास तक नहीं है, कि विश्व की संस्कृति पर, संस्कृत साहित्य का कितना गहरा प्रभाव है। उनके व्यवसाय, मनोविज्ञान चिकित्सा, का आधार जर्मन दार्शनिक आर्थर शौपेनहाउर तथा विख्यात मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ़ॉयड का लेखन है, तथा उपरोक्त विद्वानों का लेखन संस्कृत के अनुवादित ग्रंथों, विशेषतः ललित विस्तार पर आधारित है।*

बंगाल की एशियाटिक सोसाइटी के संस्थापक सर विलियम जोन्स संस्कृत को विश्व की श्रेष्ठतम प्राचीन भाषा मानते थे। उन्होंने लिखा, संस्कृत भाषा की संरचना आश्चर्यजनक है। वह ग्रीक भाषा से अधिक परिशुद्ध है, उसमें लैटिन से अधिक शब्द-बाहुल्य है, और वह ग्रीक तथा लैटिन, दोनों से अधिक परिष्कृत है। सर विलियम का दृढ़ मत था कि भारत में शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषायें होना चाहिए।

प्राचीन काल में संस्कृत, भारतीय संस्कृति की वाहक थी, कालान्तर में हिन्दी ने संस्कृति-वाहिका की भूमिका निबाही, और यही कारण है कि हिन्दी अखिल भारतीय सांस्कृतिक भाषा बनी, और स्वामी दयानन्द सरस्वती से लेकर, केशव चंद्र सेन, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर, लोकमान्य तिलक, महात्मा गान्धी आदि मनीषियों की समर्थन से उसे राजभाषा बनाया गया। *निस्संदेह, हिन्दी भारतीय संस्कृति की वाहिका बनी रहेगी, संस्कृत का पुनरुत्थान हिन्दी का पुनरुत्थान है।*

World Hindi Foundation, Inc.

A Tax-Exempt Charitable & Educational Foundation (ID 31-1679275)

Website: www.worldhindifoundation.org

Board of Directors

Executive Director : Ram Chaudhari

54 Perry Hill Road, Oswego, NY, 13126

Ph: (315) 343-3583 (R), (315) 312-2676 (W)

Fax: (315) 312-5424 Email: chaudhar@oswego.edu

Secretary: Kailash Sharma

140-24G, Donizetti Pl., Bronx, NY 10475

Ph: (718) 379-5449 (R), 718) 595-5190 (W)

Email: KCSharma@aol.com

Treasurer: Pradeep Agarwal

3611 H. Hudson Pkwy #9A, Riverdale, NY 10463

Ph. (718) 548-7532, Email: pnagarwal@cs.com

Shashi Agarwal (NJ) (732) 206-1848

Ved Chaudhary (NJ) (732) 972-1489

Padmini Prasad (NY) (845) 297-1668

Seema Khurana, (NY) (845) 227-8605

L. P. Sharma (NY) (315) 682-5742

Anchala Sobrin (NY) (845) 226-2542

Shyam Shukla (CA) (510) 770-1218

International Coordinator: Suresh Rituparna Ph: 81 422 226450

Chapter Directors

Bishan Agrawal, Marlboro (NJ) (732) 536-2688

Sharmishta Dutta, Wappinger Falls (NY) (845) 896-6963

Kamla P. Gupta, Chicago (IL) (847) 612-4244

Meena Rustgi Buffalo (NY) (716) 632-5768

Shukla Shah New York (NY) (718) 539-9729

Devendra Shukla, Fremont (CA) (510) 795-8217

हिन्दी जगत

प्रकाशन - जनवरी, अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर

Editorial Board

Chief Editor: Ram Chaudhari

54 Perry Hill Road, Oswego, NY 13126

Managing Editor: Prof. Suresh Rituparna

B-203, 2-16-1 Kichijoji, Higashhi-cho, Musashino-shi, Tokyo 180-0002, Japan, Phone: 81-422-22-6450

Shyam Shukla

44949 Couger Circle, Fremont, CA 94539

Ph. (510) 770-1218

Mithilesh Sharma 3 B Vail Street, Norwalk, CT 06850

Ph. (203) 750-0728

Advisors

N. P. Kumar, B-30 Manas Apartments, Mayur Vihar Phase I (Ext) Delhi, 110091, India

Phone: 011-91-112-271-8748

Prof. Ramakant Sharma 33 Tulip BunglowNo 2, Near Surdhara Cir. Thaltej, Ahemdabad, 380 054

न्यास का लक्ष्य

विश्व में हिन्दी का बोध तथा प्रयोग

न्यास के उद्देश्य

1. स्कूलों, कालेजों तथा सामुदायिक शिक्षा संस्थानों में हिन्दी शिक्षण को प्रोत्साहन, तथा विश्वविद्यालयों में हिन्दीपीठों (Hindi Chairs) की स्थापना में योगदान
2. हिन्दी को संयुक्तराष्ट्र की एक अधिकृत भाषा बनाने की दिशा में प्रयत्न
3. भारतीय संस्कृति में निहित मूल्यों का प्रचार

न्यास की सदस्यता

हर व्यक्ति जो न्यास के लक्ष्य तथा उद्देश्यों से सहमत है, न्यास का सदस्य बन सकता है। सदस्यता की दो श्रेणियां हैं -

1. सदस्य वार्षिक $25, विद्यार्थी $12 आजीवन $250

2. दाता सदस्य - इनकी पांच श्रेणियां हैं -

हिन्दी रत्न	$20,000 अथवा इससे अधिक
हिन्दी संरक्षक	$10,000 अथवा इससे अधिक
हिन्दी हितकारी	$5,000 अथवा इससे अधिक
हिन्दी मित्र	$2,500 अथवा इससे अधिक
हिन्दी शुभचिंतक	$1,000 अथवा इससे अधिक
अतिरिक्त अनुदान	$____________

कृपया किसी एक श्रेणी पर निशान लगाइए, तथा प्रदीप अगरवाल (Treasurer) के पास चैक द्वारा भेजिए।

Name

Street

City State Zip code

Phone Numbers: Home Office

Email address Date:

Member's Signature

बाल हिन्दी जगत - सम्पादिका अंचला सोब्रिन

Subscription : $10 For Members, $15 to Non-members

Please Write Check to World Hindi Foundation & Send to: Anchala Sobrin, 20 Presidential Way, Hopewell Junction, NY 12533. Phone : (845) 226-2542

विज्ञान प्रकाश

विश्व हिन्दी न्यास की वैज्ञानिक पत्रिका

मुख्य संपादक - राम चौधरी chaudhar@oswego.edu

BULK RATE

Return Address
54 Perry Hill Road
Oswego, NY 13126

U.S.POSTAGE
PAID
Permit # 567
Oswego, N. Y.